

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्श,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

सदस्य सचिव,
उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,
त्वरित न्यायालय परिसर, देहरादून ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 1 नवम्बर, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-2008 के लिए अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के
व्यावर्तन की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-584/रा०वि०से०प्रा० देहरादून/2007, दिनांक 29.10.2007
का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 5-दो(5)/XXXVI(1)/2007-1-दो(5)/07, दिनांक 1.8.2007 के
अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष
को आवंटित आवास 47, ई०सी०रोड, देहरादून के भवन संख्या-1 व 2 के साज-सज्जा हेतु मद
संख्या-08-कार्यालय व्यय से रुपये 50,000(रुपये पचास हजार रुपये मात्र) एवं संलग्न बी०एम० 15 के
स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-45-अवकाश यात्रा व्यय में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०
15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में रु० 1,00,000/- (एक लाख रुपये मात्र)
की धनराशि के व्यावर्तन के पश्चात् मद संख्या-08-कार्यालय व्यय से कुल रुपये
1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यय करने की महामहिम
राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) उक्त स्वीकृति की जा रही धनराशि से मा० कार्यपाल अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य विधिक
सेवा प्राधिकरण के आवास की साज-सज्जा हेतु केवल मानक के अनुसार निष्प्रयोज्य
घोषित होने वाली साज-सज्जा को ही प्रतिस्थापित करने हेतु धनराशि का आहरण किया
जायेगा और शेष धनराशि को राजकोष में जमा कर दिया जायेगा और इसकी सूचना 2
माह के अन्दर शासन को भी उपलब्ध कराया जाय । जो साज-सज्जा टौक है और
निष्प्रयोज्य करने योग्य नहीं है उसका प्रयोग किया जाय ताकि अनावश्यक शासकीय
धनराशि का अपव्यय न हो ।
- (ii) व्यय से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, मितव्ययता के
सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन
किया जाय ।
- (iii) सामग्री का क्रय डी०जी०एस० एण्ड डी को दर अथवा टेण्डर/कुटेशन विषयक नियमों
का अनुपालन करते हुए किया जाय तथा व्यय मानक के अनुसार ही किया जाय ।
क्रय की जाने वाली सामग्री का मदवार विवरण धनराशि सहित कार्य समाप्ति के एक
माह के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जाय ।

(IV) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेतर-800-अन्य व्यय-05-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण-00- 08-कार्यालय व्यय" के नामे डाला जायेगा ।

4- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकौय संख्या यू०आ० 1026/XXVII(5)/2006, दिनांक 1.11.07 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक : बी०एम०-15

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या : 14-दो(5)/XXXVI(1)/2007-1-दो(5)/07-टी०सी०-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड चुक ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।

पुनर्विनियोग 2007-2008 आयोजनसार

नैराश्रक अधिपतरी का नाम-सदस्य सयिय उत्तरखण्ड राज्य दिविक सेवा प्रधिकरण देहरादून ।
प्रशासनिक विभाग का नाम-न्याय विभाग, उत्तरखण्ड शासन, देहरादून ।

बजट प्राधिकार तथा सेवा शीर्षक का विवरण	मानक मन्दिर अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सार्वजनिक धनराशि)	सेवा शीर्षक वित्तन धनराशि स्वामन्त्रित की जाती है ।	मुख्य निदेशन के बाद शतक-3 की कुल धनराशि	मुख्य निदेशन के बाद शतक-1 में अवशेष धनराशि	अन्य विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
2014-वर्षा प्रशासन-00-अर्थोपार्जन-800-अन्य आय-00-05-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण				2014-वर्षा प्रशासन-00-अर्थोपार्जन-800-अन्य आय-00-05-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण			क. वित्तन धनराशि का कुल अन्तर
45-अवकाश यात्रा व्यय	-	-	100-क	100-ख	300	-	क. वित्तन धनराशि का कुल अन्तर
कुल धनराशि	100	-	100	100	300	-	क. वित्तन धनराशि का कुल अन्तर

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्डीन्गिंग से बहुत कमजोर 150-160 में उन्नतित अविवर्तों एवं सोमोसो का उन्मूलन नहीं किया गया है।

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

उत्तराखण्ड शासन
निल विभाग

4497-326-8/XXVII(5)/2007

२६११६३३ : दिनांक : १ नवम्बर २००७

पुनर्विधायन स्वयंसेवक

संस्था

महलंखाकार (लंबा एवं एकदरी).
वत्सराजगह. ओबराय बिल्डिंग, महाराष्ट्र रोड,
माजरा, महाराष्ट्र ।

संख्या-14 दो(5)XXXXV(1)2007-1-दो(5)07-1सीसी-तद्वर्गिक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

१. सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड राज्य शिक्षक सेवा आयोग, देहरादून ।
२. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
३. वरिष्ठ कौशिकीकारी, देहरादून ।
४. चित्त धारमाण, उत्तराखण्ड शासन / एम.आर्.डी.सी. / पत्रकारिता मंत्रालय, देहरादून ।

शिल्प अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन/एनआईसी०/सम्बन्धित शासक/गाई वृत्त।

एन०एच०४४पल्लिपाल,
अपर सचिव, वित्त

आज्ञा की

(आत्मलोक कुमार वर्मा)
अपार साहित्य ।